Roll No. ....

Total No. of Questions : 8] [Total No. of Printed Pages : 6

BG-41

B.Ed. I[st] Semester (Reg./ATKT/Ex.)

Examination, 2021-22

Reading & Reflecting on Texts

Paper - EPC - 1

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 30**

Note :- All questions are compulsory. Marks of the questions are indicated against them.

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नो के अंक उनके समक्ष दिया गया है।

खण्ड - 'अ'

SECTION - 'A'

नोट :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में दीजिए। **5×4=20**

Note :- Answer *any* **four** questions in about 150 words.

1. Differentiate between reading alude and silent reading. What purpose do they serve.

   जोर से पढ़ने एवं मन में पढ़ने में क्या अंतर है ? इनसे कौन से उद्देश्य की पूर्ति होती है।

2. Define scaffolding in reading skill.

   पठन कौशल में स्काफोल्डिंग को स्पष्ट कीजिए।

3. Mention in detail some autobiographical narratives that you have read and reflected upon.

   जिन आत्मकथ्यात्मक आख्यानों का आपने अध्ययन एवं मनन किया है। उनका विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. How should the Hindi teacher provide silent reading education to the student.

   हिन्दी अध्यापक द्वारा छात्रों को मौन पठन की शिक्षा किस प्रकार प्रदान की जानी चाहिए उदाहरण देकर समझाइए।

5. How reference skill is developed though the dictionary and encyclopedia ?

   शब्दकोष और विश्वकोष के माध्यम से संदर्भ कौशल कैसे विकसित होता है।

6. How inferences, analysis and Extrapolation have become possible with reading and comprehensions ? Explain.

अनुमान, विश्लेषण और बहिर्गणन कैसे पढ़न और समझ से संभव होते हैं ? समझाइए।

7. What type of exercises should be done for the development of writing ability in children. Explain with examples.

बच्चों में लेखन क्षमता के विकास के लिए उन्हें किस प्रकार के अभ्यास कराये जाना चाहिए ? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

खण्ड - 'ब'

SECTION - 'B'

8. Read and Answer these questions

The world Discipline is derived from the Latin word disciplina, which means. The system. objective of Education is to develop the qualities of successful citizenship and socialism in student school discipline is derived from such internal and external discipline that develop physical intellectual social and ethical values. Discipline is very importent for personality and social development. Discipline is the power by which a person

develop the Nation and school to the path of progress. There are many ways to establish good discipline in school. Same of them are positive and some have negative resources. Under positive mean self government rules and tradition of school the mutual cooperation of teachers and students moral education. Educational facilites, cocurricular activities, arrangement of ptize-related activities and awarels etc. in addition to this the penalty system is kept under negative means.

In the current era th lack of ethical education school should be arranged by which development of good faith and goodwill towards children. Cultural activities Sports, Jayanti Celebration under cocutticulat activities. This leads to the developments of leadership efficiency creativity change students.

Questions : -

(i) What is the meaning of school discipline ?

(ii) Which are the source used to develop discipline.

(iii) Which qualities are developed by motal education.

(iv) Explain the meaning of word Education.

(v) Give suitable title for the passage.

पैराग्राफ को ध्यान पूर्वक पढ़कर उत्तर दें।

डिसिप्लिन शब्द की उत्पति लैटिन शब्द (Disciplina) से मानी जाती है। जिसका अर्थ है व्यवस्था शिक्षा का उद्देश्य बालक में सफल नागरिकता एवं सामाजिकता के गुणों का विकास करना समझा गया हो वही विद्यालय अनुशासन से तात्पर्य ऐसे आंतरिक तथा बाह्य अनुशासन से लिया जाता है। जो शरीरिक, बौद्धिक, सामाजिक व नैतिक मूल्यों का विकास करें। व्यक्तित्व एवं सामाजिक विकास की दृष्टि से अनुशासन का बहुत महत्व है। अनुशासन वह शक्ति है। जिसके द्वारा व्यक्ति समाज राष्ट्र एवं विद्यालय को उन्नति के पथ पर अग्रसर किया जाता है। विद्यालय में उत्तम अनुशासन स्थापित करने के बहुत से साधन है ? उनमें से कुछ सकारात्मक साधन है। व कुछ नकारात्मक साधन होते हैं सकारात्मक साधनों के अंतर्गत स्वशासन, विद्यालय के नियम व परम्पराएँ शिक्षकों व छात्रों का पारास्परिक सहयोग नैतिक शिक्षा की व्याख्या, शैक्षिक सुविधाएँ, पाठ्य सहगामी क्रियाओं की व्याख्या तथा पुरस्कार आदि आते है इसके अलावा नकारात्मक साधन के अंतर्गत दण्ड व्यवस्था को रखा जाता है वर्तमान बाल में नैतिक शिक्षा का अभाव है। विद्यालय में इसकी व्यवस्था की जाना चाहिए, इसके द्वारा बालकों में उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा व सद्भावना का विकास होता है। पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत सांस्कृति गतिविधियाँ खेलकूद विभिन्न जयंतियाँ आदि मनाई जाती है जिससे विद्यार्थियों में नेतृत्व कार्य कुशलता, सृजनात्मकता आदि

का विकास होता है

प्रश्न :-

(i) विद्यालय अनुशासन से क्या तात्पर्य हैं ?

(ii) अनुशासन स्थापित करने के कौन-कौन से साधन है ?

(iii) नैतिक शिक्षा के द्वारा किन गुणों का विकास होता है ?

(iv) अनुशासन का शाब्दिक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(v) प्रस्तुत अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

+++